कोविड– 19 को दृष्टिगत सत्र 2021–22 के संशोधित पाठ्यक्रम के अध्यायवार शैक्षिक पंचाग

विषय– व्यवसाय अध्ययन

कक्षा– 11

क्रम	माह	पाठ्यक्रम
1	20 मई से	भाग–1 व्यवसाय का आधार इकाई–1 (i) व्यवसाय की प्रकृति एवं उद्देश्यः– व्यवसाय की अवधारणा, व्यावसायिक क्रियाओं की विशेषताएं व्यवसाय पेशा एवं रोजगार में अन्तर।
2	जून	व्यावसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण– उद्योग, वाणिज्य, व्यापार एवं व्यापार की सहायक क्रियाएं, व्यवसाय के उद्देश्य (ii) व्यावसायिक संगठन की प्रकृतिः– एकल स्वामित्व– आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं।
3	जुलाई	संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय– आशय, लक्षण, गुण एवं सीमाएं। साझेदारी– आशय, लक्षण, गुण, सीमाएं, प्रकार, संलेख, पंजीकरण तथा साझेदारों के प्रकार।
4	अगस्त	सहकारी समितियाँ– आशय, लक्षण एवं प्रकार। संयुक्त पूँजी कम्पनी– आशय, लक्षण, गुण तथा सीमाएं, सार्वजनिक एवं निजी कम्पनी।
5	सितम्बर	इकाई–2 (ii) निजी, सार्वजनिक एवं भूमण्डलीय उपक्रमः– निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र– सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के स्वरूप– विभागीय उपक्रम, वैधानिक निगम, सरकारी कम्पनियाँ। भूमण्डलीय उपक्रम– विशेषताएं, संयुक्त उपक्रम।
6	अक्टूबर	इकाई–3 (ii) व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ'– ई व्यवसाय, ई व्यवसाय बनाम ई कामर्स, ई व्यवसाय का कार्यक्षेत्र, ई व्यवसाय के लाभ एवं सीमाएं। ऑनलाइन लेन–देन। ई व्यवसाय जोखिम, बाहय स्रोतीकरण– सकल्पना। अवधारण, कार्यक्षेत्र एवं आवश्यकता। भाग–2 व्यावसायिक संगठन वित्त एवं व्यापार – इकाई–4 (i) कम्पनी का निर्माणः– कम्पनी का प्रवर्तन, समामेलन एवं व्यवसाय का प्रारम्भ, पूँजी अभिदान प्रमुख प्रलेख– सीमानियम एवं अन्तर्नियम।

7	नवम्बर	(ii) व्यवसायिक वित्त के स्रोतः– व्यावसायिक वित्त का अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व। कोष के स्रोत का वर्गीकरण। विशिष्ट वित्तीय संस्थाएं, अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीयन। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन।**
8	दिसम्बर	इकाई–5 (i) लघु व्यवसायः– लघु व्यवसाय का अर्थ तथा प्रकृति, भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका, समस्याएं। सरकार द्वारा प्राप्त लघु व्यावसायिक सहायताएं (संस्थागत सहयोग)। (ii) आन्तरिक व्यापारः– परिचय, थोक व्यापार एवं थोक विक्रेताओं की सेवाएं। फुटकर व्यापार, फुटकर व्यापारियों की सेवाएं। फुटकर व्यापार के प्रकार– भ्रमणशील फुटकर विक्रेता एवं स्थायी दुकानदार। विभागीय भण्डार, श्रृंखलाबद्ध भण्डार, डाक आदेश गृह।
9	जनवरी	उपभोक्ता, सहकारी भण्डार, मुक्त बाजार , विक्रय मशीन। इंडियन चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री का आन्तरिक व्यापार के संवर्धन में भूमिका। इकाई–6 (i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार–1ः– अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ, घरेलू व्यवसाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय में अन्तर, अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय के लाभ, आयात निर्यात व्यापार– आशय, लाभ, सीमाएं। संयुक्त उपक्रम– लाभ एवं हानियाँ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति। कमजोर छात्रों का उपचारत्मक शिक्षण।
10	फरवरी	**वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन।** उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षाफल तैयार करना।
11	मार्च	छात्रों के परीक्षाफल का वितरण।

नोटः– सत्र 2021–22 हेतु पाठ्यक्रम से हटाए गये अध्याय–

भाग–1 व्यवसाय का आधार

इकाई–2

(ii) **व्यावसायिक सेवाएँ**

इकाई–3

(ii) **व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता**

भाग–2 – व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार

इकाई–6

(ii) **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार–2**